दोनों टांगों का प्रत्यारोपण

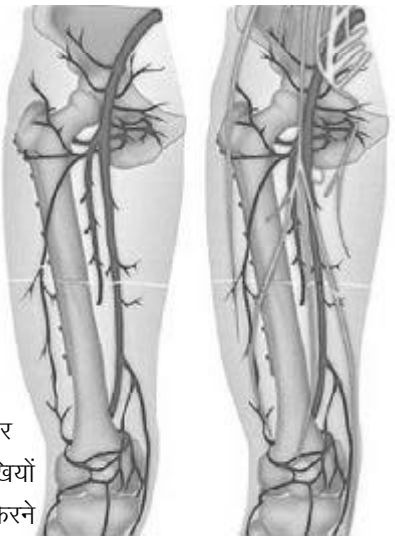

एक व्यक्ति की दोनों टांगें एक दुर्घटना में कट गई थीं। पिछले सप्ताह स्पेन के डॉक्टरों ने उसे दान दी गई दोनों टांगे सफलतापूर्वक लगा दीं। वेलेंशिया के ला फे अस्पताल के पेट्रो केवेडास और उनके 50 सहकर्मियों ने 13 घण्टे चले इस ऑपरेशन के दौरान दोनों टांगों को न सिर्फ जोड़ा, बल्कि रक्त नलिकाओं को भी आपस में मिलाया और तंत्रिकाओं को भी सही जगह पर रखा। अभी उस व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी गई है।

इससे पहले दोनों हाथों का प्रत्यारोपण कर चुके लंदन के इम्पीरियल कॉलेज के नादी हकीम का कहना है कि टांगों का ऑपरेशन कहीं अधिक कठिन होता है क्योंकि वहां रक्त नलिकाएं और तंत्रिकाएं बड़ी-बड़ी होती हैं। उनका तो यह भी मत है कि इसी वजह से टांग कट जाने पर प्रत्यारोपण करना बहुत अच्छा विकल्प नहीं है क्योंकि कृत्रिम टांगों से काम चलाया जा सकता है। नकली हाथ इतने कारगर नहीं होते।

बहरहाल, बताया गया है कि उपरोक्त व्यक्ति की टांगे जांघ से कटी थीं। इस मामले में कृत्रिम टांगें लगाना संभव नहीं था और प्रत्यारोपण ही एकमात्र विकल्प था। हकीम का मत है कि व्यक्ति की टांगों में संवेदना बहाल होने में कम से कम एक वर्ष का वक्त लगेगा। मगर फिज़ियोथेरेपी और बैसाखियों की मदद से वह चलने-फिरने लगेगा। अभी तो व्यक्ति अस्पताल में है। उसे ऐसी दवाइयां दी जा रही है कि उसका शरीर इन टांगों को पराई मानकर रिजेक्ट न कर दे। डॉक्टरों का ख्याल है कि ऑपरेशन की सफलता का अंदाज़ तो करीब 1 सप्ताह के अंदर लग जाएगा मगर अपने पैरों पर खड़ा होने में उसे 6-7 महीने लग जाएंगे। ***(स्रोत फीचर्स)***

स्रोत के ग्राहक बनें, बनाएं

वार्षिक सदस्यता

व्यक्तिगत 150 रुपए

संस्थागत 300 रुपए

सदस्यता शुल्क एकलव्य, भोपाल के नाम ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से

ई-10,शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016

के पते पर भेजें।